- उन्हें, भक्ति संत-कवि रामानंद का शिष्य और भक्ति संत-कवि कबीर का समकालीन माना जाता है।
- मीराबाई उनके प्रसिद्ध शिष्यों में से एक थीं।
- रविदास की नैतिक और बौद्धिक उपलब्धियां "बेगमपुरा" की अवधारणा परिलक्षित होती हैं, इसकी कल्पना एक ऐसे नगर के रूप में की गयी हैं जिसमे किसी को कोई दुख नहीं है; और एक ऐसा समाज है, जहां जाति और वर्ग का कोई महत्व नहीं रह गया है।

गुरु रविदास के उपदेश:

- गुरु रविदास ने जाति विभाजन के खिलाफ बात की और समाज में एकता को बढ़ावा देने के लिए इसे दूर करने पर जोर दिया। उनकी शिक्षाओं का लोगों पर काफी गंभीर प्रभाव पड़ा, और उनकी शिक्षाओं के आधार पर एक धर्म का जन्म हुआ जिसे रविदासिया धर्म या रविदासिया धर्म कहा जाता है।
- उन्होंने ईश्वर की सर्वव्यापीता के बारे में शिक्षा दी और मानव की आत्मा को ईश्वर का एक अंश बताया। संत रविदास ने इस विचार को खारिज कर दिया कि निचली जाति के लोग भगवान से नहीं मिल सकते। उन्होंने अपनी शिक्षाओं में कहा कि ईश्वर से मिलने का एकमात्र तरीका मन को द्वैत से मुक्त करना है।

स्रोत: द हिंदू।

5. गंगूबाई काठियावाड़ी

संदर्भ: अभिनेत्री आलिया भट्ट अभिनीत एक फिल्म को कानूनी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है, क्योंकि मुख्य पात्र, 'गंगूबाई काठियावाड़ी' (Gangubai Kathiawadi) के परिवार के सदस्य होने का दावा करने वाले व्यक्तियों द्वारा फिल्म में उनके चित्रण पर आपत्ति जताई गयी है।

गंगूबाई काठियावाड़ी कौन थी?

पूरा नाम: गंगा हरजीवनदास काठियावाड़ी

मूल स्थान: गुजरात

ख्याति: 50 और 60 के दशक में मुंबई के प्रसिद्ध और प्रभावशाली वेश्यालय मालिकों में से एक। इन्होने यौनकर्मियों के कल्याण और अधिकारों के लिए भी लड़ाई लड़ी।

उनके जीवन का संक्षिप्त इतिहास:

- कहा जाता है, कि 'गंगूबाई काठियावाड़ी' को उसके पति ने एक वेश्यालय के मालिक को बेच दिया था।
- बाद में, गंगूबाई ने धीरे-धीरे अपना खुद का वेश्यालय शुरू कर दिया।
- उन्हें व्यावसायिक यौनकर्मियों के अधिकारों की पैरवी करने के लिए भी जाना जाता है।
- जाहिर है, गंगूबाई ने इस मुद्दे पर राजनेताओं के साथ अपने पक्ष में जनमत तैयार किया।

उनके जीवन पर आधारित फिल्म का विरोध क्यों किया जा रहा है?

- 'गंगूबाई काठियावाड़ी' की दत्तक संतानों ने फिल्म में उनके चित्रण पर आपत्ति जताई है और इसकी रिलीज पर रोक लगाने की मांग की है।
- याचिकाकर्ताओं का कहना है कि फिल्म में उन्हें 'वेश्या' और 'माफिया क्वीन' के रूप में दिखाया गया है।
- इनका दावा है, कि फिल्म का ट्रेलर रिलीज होने के बाद उनकी प्रतिष्ठा प्रभावित हुई है और कमाठीपुरा के रेडलाइट इलाकों में रहने वाली उनके परिवार की महिला सदस्यों को पुरुषों के आपत्तिजनक और अपमानजनक टिप्पणियों का शिकार होना पड़ा है।

यौनकर्मियों / सेक्स वर्कर्स के समक्ष चुनौतियां:

- यौनकार्यों (Sex work) को "वैध कार्य" के रूप में मान्यता नहीं दी जाती है।
- यौनकर्मी, सरकार द्वारा चलाए जा रहे राहत कार्यक्रमों से लाभ पाने के पात्र नहीं होते हैं।

यौनकर्मियों के संरक्षण संबंधी प्रावधान: